



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 463] नई दिल्ली, शुक्रवार, जुलाई 28, 1989/श्रावण 6, 1911  
No. 463] NEW DELHI, FRIDAY, JULY 28, 1989/SRAVANA 6, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

विधि और न्याय मंत्रालय

(विधायी विभाग)

शुद्धिपत्र

नई दिल्ली, 28 जुलाई, 1989

का.प्र. 592 (प्र) :—भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 2,  
खंड 3, खंड (ii) तारीख 18 मई, 1989 में प्रकाशित भारत सरकार  
के विधि और न्याय मंत्रालय (विधायी विभाग) की अधिसूचना सं.  
का.प्र. 364 (प्र) तारीख 18 मई, 1989 में,—

- (1) प्रारंभिक पैरा में "शक्तियों" शब्द के स्थान पर "शक्ति" शब्द पढ़िए।
- (2) खंड 2 के उपखंड का प्रारंभ में (i) संशोधित करने पढ़िए।
- (3) प्रारूप 2-ग में नामनिर्देशितों की विशेषताओं में "निर्वाचित नामावली" शब्दों के स्थान पर "निर्वाचित नामावली" शब्द पढ़िए।
- (4) प्रारूप 2-ग की सारणी के स्तंभ 1 के क्रमसंख्यांक 10 पर दो संकेत 1 अंक लगाकर पढ़िए।
- (5) प्रारूप 2-ग के स्तंभ 3 में "पूरा पत्र" शब्दों के स्थान पर "पूरा नाम" शब्द पढ़िए।
- (6) प्रारूप 2-ग की सारणी के नीचे दी गई बांणना को म. (ख) में "खड़ा किया गया है/गई है" शब्दों के स्थान पर "खड़ा

किया गया है/गई है" शब्द पढ़िए। इसी प्रकार के अंत में निम्नलिखित को जोड़ कर पढ़िए :

नामनिर्देशन-पत्र के लिए रसीद और संवीक्षा की सूचना

(नामनिर्देशन-पत्र प्रस्तुत करने वाले व्यक्ति को देने के लिए)

नामनिर्देशन-पत्र का क्रम संख्यांक .....  
..... का, जो ..... (राज्य) की  
विधान सभा के निर्वाचित सदस्यों/..... (राज्य) के  
निर्वाचकगण के सभ्यों द्वारा राज्य सभा के लिए निर्वाचित हेतु प्रत्यक्षी  
है, नामनिर्देशन-पत्र नुम्हे मेरे कार्यालय में ..... (तारीख) को  
..... (बजे) प्रेषित/प्रेषितक ..... (नाम)  
द्वारा परिप्रेक्षित किया गया है। सभी नामनिर्देशन-पत्रों का संख्यांक .....  
(तारीख) को ..... (बजे) ..... (स्थान  
में को जायगी।

रिटिंग ऑफिसर

तारीख .....

टिप्पणी :—जहाँ अनुपलब्ध दिया गया है, वहाँ लागू न होने वाले शब्द  
काट दीजिए।

(6क) रिटिंग ऑफिसर के निदेशव से मंत्रालय प्रिंटेडों के नीचे  
कोष्ठक में "छिद्रण" शब्द लगाकर पढ़िए।

(7) प्रारूप 2-ग में नामनिर्देशितों की विशेषताओं में, "निर्वाचित नामावली"  
शब्दों के स्थान पर "निर्वाचित नामावली" शब्द पढ़िए।

- (8) प्ररूप 2-घ में सारणी के स्तंभों को 1, 2, 3, 4 और 5 संख्यांकित करके पढ़िए। इसी प्ररूप में संकेत चिन्ह के सामने “लागू न होने वाले शब्द काट दीजिए” शब्दों का लोप करके पढ़िए और इस प्ररूप के अंत में संकेत चिन्ह के सामने “लागू न होने वाला शब्द काट दीजिए” शब्दों के स्थान पर टिप्पण : जहाँ अनुकल्प दिया गया है वहाँ लागू न होने वाले शब्द काट दीजिए” शब्द पढ़िए।
- (9) प्ररूप 2-घ की सारणी के नीचे दी गई घोषणा की मध (ख) में “खड़ा किया गया हूँ/गई हूँ” शब्दों के स्थान पर “खड़ा किया गया हूँ/खड़ी की गई हूँ” शब्द पढ़िए। मध (ग) के अंत में “और” शब्द जोड़ कर पढ़िए।
- (10) प्ररूप 2-ड में “निर्वाचन नामावली” शब्दों के स्थान पर “निर्वाचक नामावली” शब्द पढ़िए और इसी प्ररूप के अंत में “जहाँ अनुकल्प दिया गया है वहाँ लागू न होने वाले शब्द काट दीजिए” शब्दों के प्रारंभ में “टिप्पणों” शब्द रख कर पढ़िए।
- (11) प्ररूप 2-ड में स्तंभ 1 के क्रम संख्यांक 10 पर संकेत चिन्ह लगाकर पढ़िए।
- (12) प्ररूप 2-घ की सारणी के नीचे दी गई घोषणा की मध (ख) में “खड़ा किया गया हूँ/गई हूँ” शब्दों के स्थान पर “खड़ा किया गया हूँ/खड़ी की गई हूँ” शब्द पढ़िए और “मध (घ) की इस प्रकार पढ़िए” अपनी पूर्ण जानकारी और विश्वास के अनुसार मैं.....परिषद निर्वाचन क्षेत्र से..... (राज्य) की विधान परिषद में रिक्त स्थान को भरने के लिए चुने जाते हेतु अभित हूँ और निर्दिष्ट नहीं हूँ।”
- (13) प्ररूप 3 ख के प्रारंभ में विधान सभा शब्द के पश्चात् “तियक” लगाकर तथा “के” शब्द को काट कर पढ़िए।
- (14) प्ररूप 3-ख में सारणी के स्तंभ 1 के नीचे संख्यांक 1 से 10 तक का लोप करके पढ़िए। इसी प्ररूप के स्तंभ 8 में “प्रस्थापक का नाम” शब्दों के स्थान पर “प्रस्थापकों के नाम” शब्द पढ़िए और स्तंभ 9 में “प्रस्थापक का क्रम संख्यांक” शब्दों के स्थान पर “प्रस्थापकों के क्रम संख्यांक” शब्द पढ़िए।
- (15) प्ररूप 3-ग के स्तंभ 4 में “अध्याप” शब्द के स्थान पर “अध्यर्थी” पढ़िए और इसी प्ररूप में सारणी में स्तंभ 7 में “अध्यर्थी का निर्वाचित नामावली संख्यांक” “शब्दों के स्थान पर” विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र में अध्यर्थी का निर्वाचक नामावली संख्यांक” शब्द पढ़िए और स्तंभ 8 में “प्रस्थापक का नाम” शब्दों के स्थान पर “प्रस्थापकों के नाम” शब्द पढ़िए तथा स्तंभ 9 में “निर्वाचन नामावली शब्दों के स्थान पर “निर्वाचक नामावली” शब्द पढ़िए। इसी प्ररूप के अंत में संकेत चिन्ह के सामने जो अनुकल्प अनुचित न हों उसे काट दीजिए। शब्दों के स्थान पर “टिप्पणों : जहाँ अनुकल्प दिया गया है वहाँ लागू न होने वाले शब्द काट दीजिए” पढ़िए।
- प्ररूप 2-ग, 2घ और 2-ड में जहाँ कहीं “प्रदत्त” शब्द आया है उसके स्थान पर “परिवर्त” शब्द पढ़िए।

[सं० एक. (7) (19)/85-संज-2]

एम.के. रामास्वामी संयुक्त सचिव